WHOEVER DESIRES AND LOOKS FORWARD TO MEETING ALLAH SUBHANAHU WA TA'LA

जो व्यक्ति अल्लाह की साथ मुलाकात करने का इच्छा रखता है

शाइख आनोआर आल औलाकि राहिमाहुल्लाह

Shaykh Anwar Al Awlaki Rahiahullah

ENGLISH हिन्दी

शाइख आनोआर आल औलाकि राहिमाहुल्लाह का लेक्चर 'WHOEVER DESIRES TO LOOK FORWARD TO MEETING ALLAH SUHANAHU WA TA'LA' की हिन्दी अनुवाद

الحمد لله و الصلاة والسلام على سيدنا محمد وعلى اله وصحبه وسلم

مَنْ أَحَبَّ لِقَاءَ اللهِ أَحَبَّ اللهُ لِقَاءَهُ وَمَنْ كَرِهَ لِقَاءَ اللهِ كَرِهَ اللهُ لِقَا

जो व्यक्ति अल्लाह की साथ मुलाकात करने का इच्छा रखता है, अल्लाह भी उसके साथ मुलाकात करने में पसंद करता है।अल्लाह भी उसके साथ मुलाकात करने में पसंद करता है।

और जो व्यक्ति अल्लाह के साथ मुलाकात करने में ना पसंद करता है, अल्लाह भी उसके साथ मुलाकात करने में ना पसंद करेगा। जब आयशा रा: ने यह बात सुना। आयशा रा: ने सवाल किया। जब उन्हें कुछ समझ नहीं आता था, तो वह सवाल पूछते थे। तो उसने रसूलुल्लाह सा: से कहा,

ومن منا لا يكرها الموت ؟

और हमने से कौन मृत्यु को ना पसंद नहीं करता ?

हम मृत्यु को ना पसंद करते हैं ! क्या इसका मतलब यह है कि, हम अल्लाह से मुलाकात करने में नापसंद करते हैं ? रसूलुल्लाह सा: ने कहा," كذلك" ليس नहीं , मेरा यह मतलब नहीं है ! रसूलुल्लाह सा: कहता है,

ولَكِنَّ المُؤْمِنَ إذا حَضَرَهُ المَوْتُ بُشِّرَ بِرِضْوانِ اللَّهِ وكَرامَتِهِ، فليسَ شَيءٌ أحَبَّ إلَيْهِ ممَّا أمامَهُ؛ فأحَبَّ لِقاءَ اللَّهِ، وأَحَبَّ اللَّهُ لِقاءَهُ،

लेकिन मोमिन जब मौत के करीब उपस्थित होते हैं । उसको यह खुशखबरी दी जाएगी कि, अल्लाह उसके पर संतुष्ट है और इसलिए उस को सम्मानित करेंगे। इसीलिए उसका भविष्य उसके पास सबसे पसंदीदा चीज हो जाता है, जो उनके सामने ही है। और वह अल्लाह के साथ मुलाकात करना चाहते हैं, इसीलिए अल्लाह भी उसके साथ मुलाकात करने में पसंद करेंगे।

وإنَّ الكافرَ إذا بُشِّرَ بعَذابِ اللَّهِ وعُقُوبَتِهِ، فليسَ شَيءٌ أكْرَهَ إلَيْهِ ممَّا أمامَهُ؛ كَرِهَ لِقاءَ اللَّهِ، وكَرِهَ اللَّهُ لِقاءَهُ

लेकिन जब अविश्वासी मौत के करीब होते हैं। तब उसको यह खबर दिया जाता है कि, अल्लाह तुम पर नाराज हुआ है इसलिए जरूर तुम्हें सजा देंगे। इसीलिए उसके पास सबसे ना पसंदीदा चीज होता है, जिसका सा सामना वह करने जा रहा है !

इसीलिए वह अल्लाह के साथ मुलाकात करने मैं नापसंद करता है, और अल्लाह भी उनके साथ मुलाकात करने में नापसंद करता है। यहां तक की उस व्यक्ति की मृत्यु के बाद भी, जब उसके जनाजा के लिए ले जाया गया। बुखारी से वर्णित एक हदीस में रसूलल्लाह सा: कहते हैं। रसूलल्लाह सा: कहते हैं,

إِذَا وُضِعَتِ الجِنَازَةُ، فَاحْتَمَلَهَا الرِّجَالُ عَلَى أَعْنَاقِهِمْ، فإِنْ كَانَتْ صَالِحَةً قالَتْ: قَدِّمُونِي، قَدِّمُونِي، وإِنْ كَانَتْ غيرَ صَالِحَةٍ قالَتْ: يا وَيْلَهَا، أَيْنَ يَذْهَبُونَ بِهَا؟ يَسْمَعُ صَوْتَهَا كُلُّ شيءٍ إِلَّا الإِنْسَانَ، ولو سَمِعَهَا الإِنْسَانُ لَصَعِقَ

जब उसके जनाजा अनुशुचित होते हैं और जब उस व्यक्ति को कंधे में ले जाती है । अगर यह एक मोमिन व्यक्ति है ! अगर यह एक मोमिन व्यक्ति है तो कहेगा, जितनी जल्दी संभव मुझे ले जाओ। इस व्यक्ति कबर में जाने के लिए व्यस्त हो जाएगा । क्योंकि वह अल्लाह से इनाम के लिए उम्मीद करता है।

और रसूलुल्लाह सा: कहते हैं, अन्यथा अगर यह एक खराब लोग होते हैं ! तब वह कहेगा, "अफसोस! तुम लोग मुझे कहां ले जा रही हो ?" और रसूलुल्लाह सा: कहते हैं, और इंसान के बगैर हर किसी ने यह आवाज सुन पाएगा। और अगर इंसान यह सुन सकता था ! तब वे इस झटके (चिल्लाने की आवाज) में मर जाते !

इस झटके उसका मौत का कारण होता ! यदि वे उस व्यक्ति की वह आवाज सुने जो कह रही है," मुझे वहां पर मत लेकर जाओ। तुम सब मुझे कहां ले जा रही हो ? अफसोस इस लोग के लिए ! तुम सब मुझे कहां ले जा रही हो ?" रसूलुल्लाह सा: कहते हैं, अगर लोग यह सुन सकता था तो, तो वह सब मर जाते। वह सब इस झटके के कारण मर जाते थे! झटके में, एक झटके में मर जाते , झटके के कारण !

वही असलियत है जो हम नहीं जानते , यही असलियत है। रसूलुल्लाह सा: कहते हैं, अगर तथ्य ऐसा नहीं होता कि, तुम मुर्दा को दफन ना करते ! तो फिर मैं अल्लाह से अनुरोध करता था, इस कबर वासियों की चीख सुनाई देने के लिए ! कब्र की लोगों की चीख (उनके आवाज) ! रसूलुल्लाह सा: कहते हैं, अल्लाह SWT,

मैं उस से अनुरोध कर सकता था , इस कबर वासियों की चीख सुनाई देने के लिए। कबर की आजाब का ! लेकिन मैं डरता हूं कि अगर मैं ने ऐसा किए, तो फिर तुम लोग मुर्दा को और दफन आओगी नहीं।

صلى الله على سيدنا محمد وعلى اله وصحبه وسلم تسليما كثيرا

अनुवादक

अस-साईफ टिम

English Text

Whoever desires and looks forward to meeting Allah Suhanahu Wa Ta'la, Allah would love meeting him. And whoever dislikes meeting Allah Suhanahu Wa Ta'la, Allah will dislike meeting him. When Aisha Radi Allahu 'anha heard this , Ayesha Radi Allahu 'anha would question. If he doesn't understand something, she would question. So she told Rasulullah ﷺ ,

ومن منا لا يكرها الموت ؟

"And who of us doesn't dislike death ?" We dislike death ! Does that meaning we dislike death ? Rasulullah SA: said, " ليس كذلك" This is not what I mean!

ولَكِنَّ المُؤْمِنَ إذا حَضَرَهُ المَوْتُ بُشِّرَ برِضْوانِ اللَّهِ وكَرامَتِهِ، فليسَ شَيءٌ أحَبَّ إلَيْهِ ممَّا أمامَهُ؛ فأحَبَّ لِقاءَ اللَّهِ، وأَحَبَّ اللَّهُ لِقاءَهُ،

Rasulullahﷺ says, but the believer when he is about to die. He will be given the news that Allah is pleased with him and that Allah will honor him. So the most beloved thing to him becomes his future what is laying ahead. And he would love to meet Allah Suhanahu Wa Ta'la, so Allah would loves to meet him !

وإنَّ الكافِرَ إذا بُشِّرَ بعَذابِ اللَّهِ وعُقُوبَتِهِ، فليسَ شَيءٌ أكْرَهَ إلَيْهِ ممَّا أمامَهُ؛ كَرِهَ لِقاءَ اللَّهِ، وكَرِهَ اللَّهُ لِقاءَهُ.

But the non-believer when he was about to die. He is given the news that Allah Suhanahu Wa Ta'la is angry with him and that he will punish him. So the most

disliked thing to him becomes what is facing him ahead. So he dislikes meeting Allah Suhanahu Wa Ta'la and Allah Suhanahu Wa Ta'la dislikes meeting him. And even after the person dies !

And he is carried on the Janazah. Rasulullah ﷺ says in a Hadith narrated by Al Bukhari,

إِذَا وُضِعَتِ الجِنَازَةُ، فَاحْتَمَلَهَا الرِّجَالُ عَلَى أَعْنَاقِهِمْ، فإِنْ كَانَتْ صَالِحَةً قالَتْ: قَدِّمُونِي، قَدِّمُونِي، وإِنْ كَانَتْ غيرَ صَالِحَةٍ قالَتْ: يا وَيْلَهَا، أَيْنَ يَذْهَبُونَ بِهَا؟ يَسْمَعُ صَوْتَهَا كُلُّ شيءٍ إِلَّا الإِنْسَانَ، ولو سَمِعَهَا الإِنْسَانُ لَصَعِقَ

Rasulullah ﷺ says, when the Janazah is placed and the man carry it on their shoulders, if it is a righteous person ! If it is a righteous person it could say, go as fast as you can. This person is in hurry to go to grave. Because he is anticipating the Reward of Allah Suhanahu Wa Ta'la.

And Rasulullah ﷺ says, if it is otherwise (an evil person) . Then this person would say, "Woe to it, where are you taking me ?" And Rasulullah ﷺ says, ", Everyone will hear that sound except the human beings." And if human beings were able to hear it , they would die due to that shock ! That shock cause them Death ! If they would hear that sound of person saying, "Do not take me there! Where are you taking me? Woe to this person ! where are you taking me?"

Rasulullah ﷺ said that if the people were able to hear that they would die ! They would die due to the shock ! Shock! A shock is Death, due to the shock! This is the reality that we don't know, this is the reality. Rasulullah ﷺ says, "If it wasn't the fact that none of you would burry the dead." I would have asked Allah Suhanahu Wa Ta'la to allow you to hear the sound which are the sounds of the people in the grave (their voices). Rasulullah ﷺ said, "I could ask him to allow to hear the voices of the punishment of the grave. But I am afraid if I do so, that none of you would burry their dead.

صلى الله على سيدنا محمد وعلى اله وصحبه وسلم تسليما كثيرا

Translator

As-Saif Team